हरिभूमि
रत्न भूमि
रायपुर, बुधवार 7 जनवरी 2026

तापमान
अधिकतम 26.0 डिग्री
न्यूनतम 11.0 डिग्री

12 मुख्यमंत्री साय आज श्रीरामजानकी मंदिर में करेंगे धर्मध्वज की...

14 कुटेना गौठान में अतिक्रमण हटाने के नाम पर गेट और...

समस्या : दो साल पहले पूरा हुआ था चौड़ीकरण का काम, आज तक न सुरक्षा जाली लगी न हुआ पौधरोपण

कुर्रा से नवापारा महानदी पुल तक मौत का डिवाइडर, 24 घंटे रहता है मवेशियों का डेरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नवापारा-राजिम

विकास के बड़े-बड़े दावे और धरातल की कड़वी हकीकत के बीच कितना फासला होता है, इसका जीता-जागता उदाहरण नवापारा-राजिम मार्ग पर देखने को मिल रहा है। कुर्रा से लेकर नवापारा के आखिरी छोर महानदी पुल तक सड़क चौड़ीकरण का कार्य पूर्ण हुए लगभग दो वर्ष बीत चुके हैं, लेकिन इस बहुप्रचारित 'मॉडल रोड' की वर्तमान स्थिति न केवल विभागीय दावों की पोल खोल रही है, बल्कि आम जनता की जान के लिए भी खतरा बन गई है। सड़क चौड़ीकरण के समय हुए भूमिपूजन में नेशनल हाईवे और लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों ने लगभग 29 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली इस सड़क को 'मॉडल रोड' के रूप में प्रस्तुत किया था। उस वक्त जनता को सपने ▶▶|शेष पेज 12 पर

29 करोड़ की योजना, फिर भी सुरक्षा नदारद

ठेकेदार गायब, अधिकारी बेपरवाह

स्थानीय निवासियों का आक्रोश इस बात पर है कि सड़क का काम पूरा होते ही ठेकेदार यहां से अपना बोरिया-बिस्तर समेट कर चलता बना। विभागीय अधिकारी, जो ज्यादातर रायपुर में बैठते हैं, उन्होंने इस ओर मुड़कर देखना भी मुनासिब नहीं समझा। करोड़ों रुपये खर्च करने के बाद भी सुरक्षा और सौंदर्यीकरण का काम अधूरा छोड़ देना सीधे तौर पर भ्रष्टाचार और प्रशासनिक उदासीनता की ओर इशारा करता है।

मवेशियों का आशियाना बना डिवाइडर

इस मार्ग की सबसे बड़ी समस्या लावारिस मवेशी बन चुके हैं। मंगलवार दोपहर 12:30 बजे की एक तस्वीर विभाग की लापरवाही को साफ बयां करती है, जिसमें मवेशी बड़ी इत्मीनान से डिवाइडर पर बैठे नजर आ रहे हैं। यह दृश्य किसी एक दिन का नहीं, बल्कि साल के बारहो महीने और चौबीसों घंटे की कहानी है। लोहे के बैरिकेड्स न होने के कारण मवेशी आसानी से डिवाइडर पर चढ़ जाते हैं और तेज रफ्तार वाहनों के सामने अचानक कूद जाते हैं, जिससे आए दिन वाहन चालक दुर्घटनाग्रस्त हो रहे हैं।

दो महीने में 1 करोड़ से अधिक का अवैध धान जब्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मैनपुर

गरियाबंद जिले में ओड़िशा सीमा पर इस वर्ष समर्थन मूल्य पर धान खरीदी प्रारंभ होते ही धान की अवैध तस्करी करने वाले भी अन्य वर्षों की तरह सक्रिय हो गए लेकिन पुलिस और राजस्व विभाग की ताबड़तोड़ कार्यवाही ने काफी हद तक तस्करों के हौसले पस्त किए हैं। यह जानकर बड़ा आश्चर्य होगा कि पिछले दो माह के भीतर ओड़िशा से अवैध धान लाते लगभग 1 करोड़ से अधिक का धान पकड़ा गया है तथा दर्जनों वाहनों पर कार्यवाही की गई है तो वही तस्करों ने भी इस बार फिल्मी अंदाज में नए- नए तरीके से धान की तस्करी को अंजाम दिया है। गरियाबंद पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा दीगर राज्य से आने वाले धान के परिवहन की रोकथाम के लिए बार्डर के चेक पोस्ट में तैनात बल द्वारा गैरकानूनी गतिविधियों ▶▶|शेष पेज 12 पर

तस्करी के फिल्मी तरीके फेल

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का गरियाबंद दौरा आज

गरियाबंद। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय 07 जनवरी को प्रातः 11.30 बजे रायपुर से गरियाबंद जिले के सिरकट्टी आश्रम के लिए रवाना होंगे। वे प्रातः 12.10 बजे सिरकट्टी स्थित अस्थायी हेलीपेड पर पहुंचेंगे। इसके पश्चात नवनिर्मित श्रीरामजानकी मंदिर में धर्मध्वज की स्थापना करेंगे। कार्यक्रम के अंतर्गत मंचीय उद्बोधन, स्वागत कार्यक्रम एवं भंडारे में सहभागिता के उपरांत मुख्यमंत्री श्री साय दोपहर 12.50 बजे सिरकट्टी ▶▶|शेष पेज 12 पर

नपं छुरा की नई पहल, अब वार्डों में ही जमा होंगे टैक्स

हरिभूमि न्यूज ▶▶| छुरा

नगर पंचायत द्वारा समस्त प्रकार के करों की वसूली को सुगम एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से वार्डवार टैक्स वसूली शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर के माध्यम से नागरिकों को घर बैठे अपने-अपने वार्ड में ही संपत्ति कर, जल कर, स्वच्छता कर सहित अन्य नगर कर जमा करने की सुविधा प्रदान की गई। नगर पंचायत प्रशासन ने

बताया कि वार्डवार शिविर आयोजन का मुख्य उद्देश्य करदाताओं को सुविधा देना, लंबित करों की वसूली ▶▶|शेष पेज 12 पर

तापमान 10 डिग्री तक गिरा, मॉर्निंग वॉक का बदला समय

कड़ाके की सर्दी ने बढ़ाई ठिठुरन लोग अलाव का ले रहे हैं सहारा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फिंगेश्वर

जनवरी के महीने में कड़ाके की ठंड अपने पूरे शबाब पर है। गरियाबंद जिले के फिंगेश्वर और आसपास के अंचल में पारा गिरने से जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। हाड़ कंपाने वाली इस सर्दी से बचने के लिए लोग अब भारी-भरकम गर्म कपड़ों और अलाव का सहारा ले रहे हैं। आलम यह है कि जो युवा खुद को 'हीरो' दिखाने के चक्कर में हल्के कपड़ों में रहते थे, वे भी अब सिर पर कनटोपा लगाए और भारी जैकेट पहने नजर आ रहे हैं। नगर और ग्रामीण क्षेत्रों में देर रात और अलसुबह का तापमान 10 से 12 डिग्री तक पहुंच

रहा है। कनकनी इतनी अधिक है कि सेहत के प्रति सजग रहने वाले लोग भी अब घरों से देरी से निकल रहे हैं। जो लोग सुबह 4:5 बजे मॉर्निंग वॉक पर निकलते थे, वे अब 6 से 7 बजे के बीच दिखाई दे रहे हैं।

चौक-चौराहों पर लकड़ी की व्यवस्था- ठंड से बचने के लिए नगर पंचायत ने चौक-चौराहों पर लकड़ी की व्यवस्था की है, जहां लोग अलाव तापते और होटलों में चाय की चुस्की के साथ गपशप करते नजर आ रहे हैं। बढ़ती ठंड ने जहां युवाओं के लिए शरीर बनाने (पहलवानी) का अवसर दिया है, वहीं बुजुर्गों और बच्चों के लिए यह बीमारी का सबब भी बन रही है। अस्पतालों में सर्दी, खांसी और जुकाम के मरीजों की संख्या बढ़ गई है। डॉक्टरों ने सलाह दी है कि बच्चे और बुजुर्ग बिना गर्म कपड़ों के घर से बाहर न निकलें। पीने के लिए हल्के गुनगुने पानी का सेवन करें। हृदय के मरीज नहाने में जल्दबाजी ▶▶|शेष पेज 12 पर

प्रस्तुति- श्यामकिशोर शर्मा, ब्यूरोचीफ, हरिभूमि कार्यालय राजिम, जिला गरियाबंद, मो.नं.-79871-24123

लापरवाही : 2 लाख के कर्ज तले दबा अन्नदाता खा रहा दर-दर की ठोकरें

पटवारी की लापरवाही से किसान का धान निरंक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ छुरा

छत्तीसगढ़ सरकार एक ओर जीरो ग्राउंड पर सुशासन और किसानों के हित की बात कर रही है, वहीं दूसरी ओर प्रशासनिक अधिकारियों और कर्मचारियों की उदासीनता सरकार की कार्यप्रणाली पर सवालिया निशान खड़ा कर रही है। छुरा ब्लॉक के ग्राम खुसरूपाली के एक किसान की कहानी प्रशासनिक लापरवाही का ऐसा नमूना है, जिसने किसान को पाई-पाई के लिए मोहताज कर दिया है। मामला ग्राम खुसरूपाली निवासी किसान जनक लाल यादव का है। उनकी ग्राम खट्टी लोहझर में खसरा नंबर 317/1 पर कुल 5 एकड़ 75 डिसमिल जमीन है। आरोप है कि हल्का पटवारी ने किसान को सूचना दिए बिना गिरदावरी भौतिक सत्यापन किया। अन्य लोगों के गलत मार्गदर्शन में आकर पटवारी ने किसान की उपजाऊ जमीन को 'भर्री-भाठा' (बंजर) मान लिया और गिरदावरी में फसल को 'निरंक' दर्ज कर दिया। जब किसान को इसकी जानकारी हुई, तो उसने पटवारी से संपर्क किया। 12 दिसंबर 2025 को दोबारा हुए भौतिक सत्यापन में किसान के खेत में धान की फसल लहलहाती हुई पाई गई। अपनी गलती सुधारने के बजाय पटवारी ने किसान को खाद्य विभाग भेज दिया। खाद्य विभाग ने तहसील कार्यालय और तहसील कार्यालय ने पुनः अन्य विभागों का रास्ता दिखाकर किसान को 'फुटबॉल' बना दिया है।

कर्ज के बोझ और बीमारी से टूट रहा किसान- पीड़ित किसान जनक लाल यादव का कहना है कि उस पर सोसायटी का 2 लाख रुपये का कर्ज बकाया है। 5 एकड़ का धान नहीं बिकने की स्थिति में कर्ज चुकाना नामुमकिन होगा। विडंबना यह है कि किसान एक गंभीर बीमारी से भी जूझ रहा है, लेकिन उसे राहत देने के बजाय अधिकारी दफ्तरों के चक्कर लगवा रहे हैं।

वन पट्टा धारी किसान भी परेशान

इसी तरह की समस्या सियाराम जगत (डॉगनबाय) के साथ भी है। उनके वन पट्टा जमीन की गिरदावरी नहीं हुई है। पटवारी का कहना है कि उनकी आईडी में नाम नहीं दिख रहा, वहीं तहसीलदार ने यह कहकर पल्ला झाड़ लिया कि वे केवल आवेदन खाद्य शाखा भेज सकते हैं। किसानों की इस बदहाली पर उप सरपंच संघ छुरा के अध्यक्ष रुपनाथ बंजारे ने प्रशासन को आड़े हाथों लिया है। उन्होंने सवाल किया कि आखिर पटवारी की गलती की सजा किसान क्यों भुगते? जब भौतिक सत्यापन में फसल पाई गई, तो तकनीकी सुधार में देरी क्यों?

क्या प्रशासनिक अमला इतना हावी हो गया है कि वह जनप्रतिनिधियों और आम जनता की सुनने को तैयार नहीं है? बंजारे ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही किसानों की समस्या का समाधान कर धान खरीदी की व्यवस्था नहीं की गई, तो उग्र आंदोलन किया जाएगा। अब देखना यह है कि जिला प्रशासन इस 'मानवीय भूल' को सुधारकर किसान को न्याय देता है या अन्नदाता यूं ही भटकता रहेगा।

आईएसबीएम विश्वविद्यालय में निशुल्क नेट व सेट कोचिंग कार्यक्रम का शुभारंभ

छुरा। आईएसबीएम विश्वविद्यालय, गरियाबंद में मंगलवार को स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के लिए निःशुल्क यूजीसी नेट/सेट परीक्षा तैयारी कोचिंग कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव, श्री बी. पी. भोल, डीन (अकादमिक) प्रो. (डॉ.) एन. के. स्वामी एवं डीन स्टूडेंट वेलफेयर डॉ. सुभाषीष बिस्वास विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए कुलसचिव बी. पी. भोल ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि नेट/सेट जैसी राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाएँ शिक्षण एवं शोध के क्षेत्र में करियर बनाने का सशक्त माध्यम हैं। विश्वविद्यालय विद्यार्थियों को इस दिशा में हर संभव सहयोग प्रदान कर रहा है। डीन अकादमिक प्रो. (डॉ.) एन. के. स्वामी ने नेट/सेट परीक्षा की संरचना, अध्ययन रणनीति एवं निरंतर अभ्यास के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों को नियमित अध्ययन, अनुशासन एवं समय प्रबंधन अपनाने की सलाह दी। डीन स्टूडेंट वेलफेयर डॉ. सुभाषीष बिस्वास ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि यह निःशुल्क कोचिंग कार्यक्रम विद्यार्थियों के शैक्षणिक विकास के साथ-साथ उनके भविष्य को मजबूत आधार प्रदान करेगा। उन्होंने सभी इच्छुक विद्यार्थियों से इस अवसर का अधिकतम लाभ उठाने का आह्वान किया। विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा जानकारी दी गई कि नेट/सेट कोचिंग कक्षाएँ दिनांक 07 जनवरी 2026 से नियमित रूप से प्रारंभ होंगी, जिनका समय दोपहर 02:45 बजे से 03:30 बजे तक निर्धारित किया गया है। यह कोचिंग विशेष रूप से यूजीसी नेट/सेट पेपर–I की तैयारी हेतु संचालित की जा रही है। विश्वविद्यालय ने सभी इच्छुक स्नातकोत्तर विद्यार्थियों से अपील की है कि वे इस निःशुल्क नेट/सेट कोचिंग समूह से जुड़कर अपने शैक्षणिक एवं करियर लक्ष्यों को साकार करें। कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय के विभिन्न संकाय सदस्य, अधिकारी एवं विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

विज्ञापन एवं समाचार पत्र के लिए संपर्क करें- संकलनकर्ता- भागीरथी सिन्हा, हरिभूमि संवाददाता छुईया मो. 9589469068

खबर संक्षेप

कड़ाके की ठंड और घने कोहरे से ठिठुरा वनांचल जनजीवन बेहाल

मैनपुर। उत्तर भारत में सक्रिय पछुआ विक्षोभ के कमजोर पड़ते ही वनांचल क्षेत्र में शीतलहर ने नगर सहित पूरे क्षेत्र को कपकपा दिया है मौसम साफ होते ही कड़ाके की ठंड और तेजी से गिरते तापमान घने कोहरे से जन जीवन प्रभावित हो गया है। कड़ाके की ठंड ने लोगो का हाल बेहाल कर दिया है सिहरन पैदा करने वाली कड़ाके की ठंड से मैदानी इलाको और वनांचल क्षेत्र में लोगों का हाल बेहाल कर दिया है घने कोहरे के कारण वाहन की स्पीड कम हो गई है हादसे की संभावना की मद्देनजर वाहन चालको ने वाहनो की रफ्तार काफी कम रखी है। एक बार फिर हाड़ कंपकंपाने वाली ठंड के चलते लोगो का हाल बेहाल हो गया है सुबह लोगो की दिनचर्या विलंब से शुरू हो रही है ग्रामीण क्षेत्रों के साथ नगर में भी लोग अलाव तापते नजर आ रहे है। कड़ाके की ठंड ने न सिर्फ जन जीवन बल्कि पशु पक्षी भी बेहाल हो रहे है। मौसम विभाग के मुताबिक अगले 3-4 दिन घना कोहरा छाये रहने की संभावना है।

विकसित भारत गारंटी रोजगार योजना अब 100 नहीं 125 दिन मिलेगा काम : दिनेश

मैनपुर। विकसित भारत गारंटी रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) 2025 यह कानून सिर्फ ग्रामीणो को मजदूरी देने तक सिमित नही बल्कि इससे गांव में काम के साथ साथ स्थाई संपत्ति बनेगी खेतो को मजबूती मिलेगी और लंबे समय से ग्रामीण इलाको की उत्पादकता

बढ़ेगी पहले से ज्यादा दिन काम मिलेगा। उक्त बाते भारतीय जनता पार्टी मंडल महामंत्री दिनेश सचदेव ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कही। श्री सचदेव ने कहा विकसित भारत जी राम जी ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। उन्होने आगे कहा पहले मनरेंगा के तहत 100 दिनो का रोजगार दिया जाता था अब 125 दिनों का रोजगार मिलेगा इससे ग्रामीण कामगारो को अधिक दिनो तक काम मिलेगा उनके आय में वृद्धि होगी यह उन परिवारो के लिए काफी महत्वपूर्ण है जो पूरी तरह मजदूरी पर निर्भर है।

राजिम की भक्तिन माता भक्ति, त्याग लोकआस्था की अमर प्रतीक : भागचंद

राजिम। छत्तीसगढ़ की पावन भूमि राजिम केवल त्रिवेणी संगम, राजीव लोचन मंदिर और कुंभ कल्प जैसे आध्यात्मिक आयोजनों के लिए ही प्रसिद्ध नहीं है, बल्कि यह धरती लोकभक्ति और जनआस्था की महान प्रतीक भक्तिन माता की तपोभूमि भी रही है। प्रतिवर्ष 7

जनवरी को मनाई जाने वाली राजिम भक्तिन माता जयंती नारी भक्ति, सेवा और त्याग की उस परंपरा को स्मरण करने का अवसर है, जिसने सदियों से जनमानस को आध्यात्मिक चेतना से जोड़े रखा है। भक्ति और तपस्या का अनुपम उदाहरण लोककथाओं और जनश्रुतियों के अनुसार भक्तिन माता अत्यंत श्रद्धालु महिला थीं, जिनका संपूर्ण जीवन ईश्वर भक्ति, सेवा और संयम में व्यतीत हुआ। उनका जीवन इस बात का प्रमाण है कि सच्ची भक्ति के लिए वैभव या पद की आवश्यकता नहीं, बल्कि निर्मल मन, अटूट आस्था और निरंतर साधना ही पर्याप्त है। भक्तिन माता की भक्ति इतनी गहन थी कि वे लोकजीवन में देवी स्वरूप मानी जाने लगी। उनकी साधना में समर्पण, करुणा और मानव कल्याण की भावना स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। नारी शक्ति और लोकआस्था की प्रतीक राजिम की भक्तिन माता छत्तीसगढ़ की नारी शक्ति की जीवंत प्रतीक हैं। ऐसे समय में जब समाज में नारी की भूमिका सीमित मानी जाती थी, भक्तिन माता ने अपने आचरण और साधना से यह सिद्ध कर दिया कि आध्यात्मिक ऊँचाइयों को छूने में नारी किसी से कम नहीं।

सौगात : डेढ़ माह के भीतर मैनपुरकला सहित आसपास ग्रामों के ग्रामीणों को मिलेगा नए पुल की सौगात

मैनपुरकला नदी पर 6.25 करोड़ का पुल निर्माण अंतिम चरण में

हरिभूमि न्यूज ⏭ मैनपुर

छत्तीसगढ़ के विष्णुदेव सरकार के सुशासन मे एक बार फिर आदिवासी विकासखण्ड मैनपुर क्षेत्र के वर्षों पुरानी मांग मैनपुरकला नदी में पुल निर्माण की बड़ी सौगात मिलने जा रही है। मैनपुरकला नदी में लोक निर्माण विभाग सेतू संभाग मेसर्स वेदांत कंस्ट्रक्शन रायपुर के द्वारा प्रशासकीय स्वीकृत राशि 625.24 लाख रुपए की लागत से उच्च स्तरीय पुल निर्माण कार्य तेजगति से किए जाने के कारण पुल निर्माण अब पूर्णतः की ओर है जिससे ग्राम मैनपुरकला सहित कसाबाय, फुलझर, पंडरीपानी, महुआभाठा, गड्ढाभाठा एवं क्षेत्र के कई ग्रामों के हजारों ग्रामीणों को आने -जाने में जहां एक ओर सुविधा मिलेगी वहीं पुल निर्माण से ग्रामीणो में भारी खुशी देखने को मिल रही है। पुल निर्माण कार्य तेजगति से किये जाने के कारण एक वर्ष के भीतर कार्य लगभग 90 प्रतिशत पूर्ण हो चुका है और आने वाले डेढ़ माह के भीतर यह उच्च स्तरीय पुल निर्माण कार्य पूर्ण हो जायेगी और इस क्षेत्र के वर्षो पुरानी एक प्रमुख मांग विष्णुदेव सरकार के सुशासन में पूरा होने जा रहा है।

लोगों को मिलेगा लाभ

लोक निर्माण विभाग सेतु संभाग के एसडीओ श्री पंडोले ने बताया की पुल निर्माण कार्य 90-95 प्रतिशत पूर्ण हो चुका है। डेढ़ माह के भीतर पुल पूरी तरह बनकर तैयार हो जायेगी और इसका लाभ क्षेत्र के लोगों को मिलेगा।

जान जोखिम में डालकर अब नदी पार नहीं करना पड़ेगा

तहसील मुख्यालय मैनपुर से महज 03 किमी दूर मैनपुरकला नदी में पुल निर्माण की मांग तीन दशक पुराना है यहां वर्षो पहले लोक निर्माण विभाग द्वारा छोटा सा रपटा का निर्माण किया गया था लेकिन वह रपटा वर्ष 2007 में भारी बारिश टूटकर बह गया जिसके बाद से यह मार्ग में आवागमन अवरूद्ध हो गया जहां एक ओर ग्रामीण विभिन्न परेशानियो को झेलते हुए नदी पार करने मजबुर हो रहे थे वही स्कूल में पढ़ाई करने वाले छात्र - छात्राएं जान जोखिम में डालकर नदी पारकर मैनपुर हाईस्कूल पढ़ाई करने आने मजबुर हो रहे थे और तो और पुराना रपटा टूटने के कारण नदी 20 फीट गहरी हो गई जिसके कारण मरीजो को अस्पताल तक लाने में भारी परेशानियो का सामना करना पड़ रहा था। गांव तक संजीवनी एक्सप्रेस 108 एवं एंबुलेंस भी आपातकालीन स्थिति में नही पहुंच पाती।

ग्रामीणों ने पुल निर्माण के लिए धरना प्रदर्शन, चक्काजाम, आंदोलन किए

मैनपुरकला पंचायत क्षेत्र के ग्रामीणों ने नदी में पुल निर्माण के लिए लंबे संघर्ष किया है। यहां के पूरे ग्रामीण कई बार धरना प्रदर्शन, आंदोलन, चक्काजाम किए तब कही जाकर यहां पुल निर्माण की स्वीकृति मिली। बावजूद इसके निर्माण कार्य अटक गया और निर्माण कार्य लटका रहा और छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार आने के बाद मुख्यमंत्री विष्णुदेव के सुशासन में फिर एक बार पुल निर्माण कार्य आदेश 15 जनवरी 2025 को होने के बाद एक वर्ष के भीतर पुल निर्माण कार्य बहुत तेजगति से किया गया जिसके चलते पुल निर्माण कार्य 90 प्रतिशत पूर्ण हो चुका है और आने वाले डेढ़ माह के भीतर यह उच्च स्तरीय पुल निर्माण कार्य पूर्ण होने की संभावना है साथ ही इस क्षेत्र के लोगो को एक बड़ी सौगात मिलने जा रही है। ग्राम पंचायत के सरपंच गज्जु नेगी, उपसरपंच सुधीर ठाकुर, सियाराम ठाकुर, डोमार, गौकरण, टीकम यादव, सजन सिंग, कन्हैया नेगी, तनवीर राजपूत, सेवकराम मरकाम, दयाराम नेगी, कुंदन नेगी, धनेश, अमरसिंग नागेश, पुरन सिंह, सुजान सिंह, चैनुराम नागेश एवं ग्रामीणों ने बताया पुल निर्माण के लिए ग्रामीणों ने लंबी लड़ाई लड़ी है तब जाकर उन्हे यह पुल का सौगात मिल रहा है ग्रामीणो मे पुल निर्माण से खुशी देखने को मिल रही है।

शासकीय आवासों से वनकर्मी गायब भगवान भरोसे वन्यजीवों की सुरक्षा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रसेला

जंगल और वन्यजीवों की सुरक्षा का दम भरने वाला वन विभाग स्वयं ही सवालों के घेरे में है। रसेला क्षेत्र में यह गंभीर चिंता का विषय बना हुआ है कि जिम्मेदार वन कर्मचारी अपने आवंटित शासकीय आवासों (हेडक्वार्टर) में निवास नहीं कर रहे हैं। मुख्यालय में कर्मचारियों की अनुपस्थिति न केवल विभागीय लापरवाही को दर्शाती है, बल्कि जंगलों की सुरक्षा और वन्यजीवों के अस्तित्व पर भी बड़ा खतरा मंडरा रहा है। वन और वन्यजीव प्रबंधन के नाम पर सरकार हर साल करोड़ों रुपये पानी की तरह बहा रही है, लेकिन हकीकत इसके उलट है। क्षेत्र के कनफाड बीट और रुवाड बीट (कुडेरादादर) में लाखों की लागत से शासकीय आवास बनाए गए हैं, लेकिन विडंबना यह है कि इन मकानों को आज तक किसी वन कर्मचारी के 'चरण रज' नसीब नहीं हुए। कर्मचारी मुख्यालय के बजाय शहरों या अन्य सुविधाजनक स्थानों से अपनी ड्यूटी बजा रहे हैं।

बढ़ रहा है मानव-वन्यजीव संघर्ष

जंगलों में निगरानी की कमी का सीधा फायदा शिकारी उठा रहे हैं। अवैध शिकार की घटनाओं में वृद्धि के साथ-साथ वन्यजीव अब सुरक्षित आवास की तलाश में ग्रामीण बस्तियों और खेतों की ओर रुख कर रहे हैं। कर्मचारियों की अनुपस्थिति में शिकारियों के जाल बिछाने की संभावनाएं बढ़ गई हैं। बाघ, तेंदुआ, हाथी और जंगली सुअर जैसे जानवर अब रिहायशी इलाकों में पहुंच रहे हैं, जिससे मानव-वन्यजीव संघर्ष जानलेवा स्तर पर पहुंच गया है। जंगलों में पानी और भोजन की कमी के चलते वन्यजीवों के पास केवल दो ही विकल्प बचे हैं या तो वे शिकारियों का शिकार बनें या गांवों की ओर पलायन करें।

खाली बंजर और सिमटते जंगल

निगरानी के अभाव में जंगल लगातार कम हो रहे हैं। खाली पड़े बंजरों में झाड़ियां उग आई हैं, जो जानवरों के छिपने और अचानक हमले का कारण बन रही हैं। प्राकृतिक संसाधनों के दोहन और विभागीय उदासीनता ने पारिस्थितिक तंत्र को खतरे में डाल दिया है। केके सोनी, डिप्टी रेंजर परसुली रेंज, पीपरछेड़ी ने कहा की आवासीय परिसर में अभी पानी, बिजली और बाउंड्री वॉल का काम पूरा नहीं हुआ है। इन सुविधाओं के पूर्ण होने के बाद ही वहां निवास संभव हो पाएगा। हालांकि, मैंने कर्मचारियों को पहले से ही वहां रहने के लिए निर्देशित कर दिया है।

विकसित भारत जी-राम-जी अधिनियम गांवों की तस्वीर और तकदीर बदलेगा : मंत्री बघेल

हरिभूमि न्यूज ⏭ गरियाबंद

- जी-राम-जी अधिनियम से गांवों में आएगी समृद्धि, अब 125 दिन मिलेगा रोजगार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा ग्रामीण विकास के लिए लाए गए 'विकसित भारत जी-राम-जी अधिनियम 2025' को लेकर गरियाबंद में शंखनाद किया गया है। जिला भाजपा कार्यालय में आयोजित एक महत्वपूर्ण प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए प्रदेश के खाद्य एवं जिला प्रभारी मंत्री श्री दयाल दास बघेल ने इस कानून को ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए 'मील का पत्थर' करार दिया। मंत्री दयाल दास बघेल ने कहा कि यह अधिनियम मनरेगा का एक उन्नत और क्रांतिकारी रूप है। उन्होंने इसके प्रमुख फायदों को रेखांकित करते हुए बताया की रोजगार की गारंटी अब ग्रामीण परिवारों को साल में 100 के बजाय 125 दिनों का सुनिश्चित रोजगार मिलेगा। मजदूरी का भुगतान अब 7 दिनों के भीतर अनिवार्य रूप से किया जाएगा। यदि भुगतान में देरी होती है, तो मजदूर को ब्याज के रूप में अतिरिक्त राशि दी जाएगी। बुवाई और कटाई के सीजन में 60 दिनों तक सरकारी कार्य रोके जा सकेंगे, ताकि किसानों को समय पर मजदूर मिलें और कृषि कार्य प्रभावित न हो। इससे पलायन पर भी रोक लगेगी।

भ्रष्टाचार पर लगेगी लगाम- प्रेस कॉन्फ्रेंस में

मौजूद प्रदेश प्रवक्ता एवं जिला संगठन प्रभारी अमित चिमनानी ने कहा कि पहले मनरेगा में फर्जी मास्टर रोल और मशीनों के उपयोग जैसी धांधली की शिकायतें आम थीं। नया अधिनियम इन खामियों को स्वतः समाप्त कर पारदर्शिता लाएगा। इसमें जल सुरक्षा, ग्रामीण अधोसंरचना, आपदा सुरक्षा और आजीविका संवर्धन जैसे चार मुख्य क्षेत्रों पर विशेष फोकस रहेगा।इस अधिनियम के माध्यम से केवल मजदूरी ही नहीं, बल्कि गांवों में स्थाई संपत्तियों का निर्माण होगा। नदी-नालों के सुधार, सिंचाई संरचनाओं के विकास और पशुपालन व मत्स्य पालन जैसी गतिविधियों को मजबूती मिलेगी। यह योजना पीएम गति शक्ति जैसी राष्ट्रीय परियोजनाओं को भी ग्रामीण स्तर पर बल प्रदान करेगी।

दिग्गज नेताओं की रही मौजूदगी- प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान गरियाबंद जिले के प्रमुख भाजपा नेता उपस्थित रहे, जिनमें राज्य भंडार गृह निगम के अध्यक्ष चंदूलाल साहू, राजिम विधायक रोहित साहू, जिला अध्यक्ष अनिल चंद्राकर, जिला पंचायत अध्यक्ष गौरीशंकर कश्यप, पूर्व विधायक संतोष उपाध्याय, जिला महामंत्री आशिष शर्मा, चंद्रशेखर साहू सहित संगठन के अन्य पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल थे। मंत्री बघेल ने अंत में कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का संकल्प 'गरीब कल्याण' ही इस अधिनियम की आत्मा है, जो देश के गांवों को आत्मनिर्भर और विकसित बनाएगा।

मुख्यमंत्री साय आज श्रीरामजानकी मंदिर में करेंगे धर्मध्वज की स्थापना

हरिभूमि न्यूज ⏭ गरियाबंद

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय 07 जनवरी को चतुर्भुज सिरकट्टी पावन धाम स्थित नव निर्मित भव्य श्रीरामजानकी मंदिर में आयोजित धार्मिक कार्यक्रम में शामिल होकर मंदिर परिसर में धर्मध्वज की स्थापना करेंगे। इस भव्य आयोजन को लेकर जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन द्वारा तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

कार्यक्रम की तैयारी को लेकर कलेक्टर भगवान सिंह उइके एवं पुलिस अधीक्षक वेदव्रत सिरमौर ने देर शाम आयोजन स्थल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए सभी व्यवस्थाएं समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए मंचीय व्यवस्था, आगंतुकों की बैठक व्यवस्था, हेलीपैड स्थल, पायलट विश्राम कक्ष, अस्थायी शौचालय निर्माण, भीड़ नियंत्रण, पार्किंग एवं यातायात व्यवस्था को सुचारू रखने के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही सांस्कृतिक

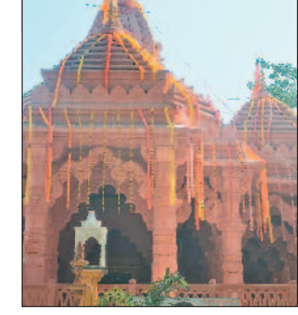

मंच, सुरक्षा व्यवस्था, स्वच्छता एवं पेयजल व्यवस्था को लेकर भी विस्तृत निर्देश जारी किए गए।

कार्यक्रम के अवसर पर राजिम में गोरखपुर गीताप्रेस दुकान के लोकार्पण एवं विमोचन हेतु मंच स्थल चयन, विद्युत व्यवस्था, स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करने तथा फायर ब्रिगेड जैसी आपातकालीन सेवाओं की समुचित तैयारी करने के निर्देश भी दिए गए। निरीक्षण के दौरान चतुर्भुज सिरकट्टी आश्रम के महामंडलेश्वर संत गोवर्धन शरण महाराज जी समाजसेवी भुनेश्वर साहू टीकम साहू जिला पंचायत सीईओ प्रखर चंद्राकर, अपर कलेक्टर पंकज डाहिरे, तहसीलदार डोनेश साहू, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक धीरेंद्र पटेल, जितेंद्र चंद्राकर, एसडीओपी निशा सिन्हा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। प्रशासन द्वारा 07 जनवरी, बुधवार को होने वाले इस भव्य धार्मिक आयोजन को शांतिपूर्ण, सुव्यवस्थित एवं सफल बनाने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित की जा रही हैं।

मतदाता सूची पर दावा आपत्तियों की सुनवाई 23 जनवरी तक

रसेला। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण एसआईआर कार्यक्रम के तहत प्राप्त दावे आपत्तियों की सुनवाई की प्रक्रिया चल रही है। निर्वाचन क्षेत्र के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (ईआरओ) एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (एईआरओ) द्वारा नियमित रूप से इन आवेदनों की जांच और सुनवाई की जा रही है, ताकि मतदाता सूची को त्रुटिरहित और अद्यतन बनाया जा सके। निर्वाचन कार्यालय से के अनुसार दावे आपत्तियों प्राप्त करने की अवधि 23 दिसंबर 2025 से 23 जनवरी 2026 तक निर्धारित की गई है। इस दौरान मतदाता अपने आवेदन जमा कर सकते हैं। प्रारूप मतदाता सूची में नाम जोड़ने, हटाने अथवा संशोधन से संबंधित आवेदनों को निर्धारित प्रपत्रों में ही स्वीकार किया जा सकता है। मतदाता सूची में नया नाम जुड़वाने के लिए फार्म 6, नाम विलोपन के लिए फार्म 7 तथा नाम,पता,आयु या अन्य विवरणों में सुधार के लिए फार्म 8 का उपयोग किया जा रहा है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि केवल पूर्ण और विधिवत भरे गए प्रपत्रों पर ही कार्यवाही की जाएगी। इसके अलावा प्रारुप मतदाता सूची के संबंध में राजनीतिक दल भी अपने बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) के माध्यम से दावे आपत्तियों प्रस्तुत कर सकते हैं। इससे सूची में संभावित त्रुटियों की पहचान और सुधार में पारदर्शिता सुनिश्चित हो सकेगी। प्रशासन ने सभी पात्र नागरिकों से अपील की है कि वे निर्धारित समय सीमा के भीतर अपने दस्तावेजों के साथ आवेदन प्रस्तुत करें।

निजी मोबाइल पर वीएसके ऐप की अनिवार्यता का विरोध

हरिभूमि न्यूज ⏭ मैनपुर

छत्तीसगढ़ शासन द्वारा विद्यालयों में शिक्षकों की उपस्थिति एवं कार्य की मॉनिटरिंग के लिए लागू किए गए व्हीएसके एप्प को शिक्षकों के निजी मोबाइल फोन में अनिवार्य रूप से इंस्टॉल एवं उपयोग कराए जाने के निर्णय के विरोध में आज छत्तीसगढ़ सहायक शिक्षक समग्र शिक्षक फेडरेशन, जिला गरियाबंद के अध्यक्ष कुमेन्द्र कश्यप के नेतृत्व में ब्लॉक मुख्यालय मैनपुर पहुंचकर मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ शासन एवं शिक्षामंत्री के नाम विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी महेश पटेल को ज्ञापन सौंपा गया। यह ज्ञापन मुख्यमंत्री, शिक्षामंत्री एवं प्रमुख सचिव स्कूल शिक्षा विभाग के नाम जिला शिक्षा अधिकारी गरियाबंद के माध्यम से प्रेषित किया गया। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष कुमेन्द्र कश्यप ने शासन से मांग रखते हुए कहा कि फेडरेशन ऑनलाइन अटेंडेंस अथवा मॉनिटरिंग व्यवस्था के विरोध

में नहीं है, किंतु शिक्षकों के निजी मोबाइल में व्हीएसके एप्प को अनिवार्य किए जाने का कड़ा विरोध करते है। उन्होंने कहा कि व्हीएसके एप्प के माध्यम से शिक्षकों की निजी जानकारी, मोबाइल डेटा की गोपनीयता एवं साइबर सुरक्षा को लेकर गंभीर आशंकाएँ हैं। किसी भी प्रकार की डेटा लीक या तकनीकी त्रुटि की स्थिति में विभागीय जिम्मेदारी स्पष्ट नहीं है। अध्यक्ष कुमेन्द्र कश्यप ने यह भी बताया कि प्रदेश में अनेक शिक्षक ऐसे हैं जिनके पास स्मार्टफोन उपलब्ध नहीं हैं अथवा वे तकनीकी रूप से ऐप संचालन में सक्षम नहीं हैं। वहीं दूरस्थ, ग्रामीण एवं वनांचल क्षेत्रों में नेटवर्क कनेक्टिविटी की गंभीर समस्या के कारण ऐप का नियमित उपयोग व्यवहारिक नहीं है। ज्ञापन सौपने वालों में प्रमुख रूप से ब्लॉक अध्यक्ष नीलधर प्रधान, उपाध्यक्ष-नीलम नागेश एवं डिगेश देवांगन सचिव गोकुल राम बघेल ब्लॉक मुख्यालय में ज्ञापन सौंपने उपस्थित रहे। फेडरेशन द्वारा शासन से मांग की गई- शिक्षकों के निजी मोबाइल में व्हीएसके एप्प का इंस्टॉलेशन एवं उपयोग अनिवार्य न किया जाए। जब तक डेटा सुरक्षा, स्पष्ट दिशा-निर्देश एवं विभागीय उत्तरदायित्व तय नहीं हो जाता, तब तक व्हीएसके एप्प के क्रियान्वयन को स्थगित रखा जाए। अंत में जिला अध्यक्ष कुमेन्द्र कश्यप ने विश्वास व्यक्त किया कि शासन शिक्षक हित, डेटा सुरक्षा एवं व्यावहारिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेगा।

पेज 9 के शेष...

कुर्रा से नवापारा...

दिखाए गए थे कि सड़क के बीच आकर्षक डिवाइडर होंगे, लोहे के मजबूत सुरक्षा बैरिकेड्स लगाए जाएंगे, सघन पौधरोपण होगा और रात के वक्त दूधिया रोशनी से यह मार्ग जगमगाएगा। लेकिन आज स्थिति यह है कि डिवाइडर के नाम पर केवल कंक्रीट का एक अधूरा ढांचा खड़ा है। न सुरक्षा जाली लगी है और न ही हरियाली का कहीं नामोनिशान है।

वीआईपी मूवमेंट के बीच मंडरा रहा खतरा- आज, 7 जनवरी बुधवार को राजिम में माता राजिम भक्तिन जयंती का विशाल कार्यक्रम है। इस आयोजन में प्रदेश भर से साहू समाज के लोग जुटेंगे। कार्यक्रम में प्रदेश के मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्री, सांसद और विधायकों का आगमन प्रस्तावित है। भारी जनसमूह और वीआईपी काफिलों की आवाजाही के बीच डिवाइडर पर बैठे ये मवेशी किसी भी बड़े हादसे का कारण बन सकते हैं। सवाल यह उठता है कि यदि इस दौरान कोई अनहोनी होती है, तो इसका जिम्मेदार कौन होगा?

तत्काल सुधार हो- क्षेत्रवासियों ने शासन-प्रशासन और लोक निर्माण विभाग से पुरजोर मांग की है कि डिवाइडर पर तत्काल लोहे के सुरक्षा बैरिकेड्स लगाए जाएं। खाली पड़े डिवाइडर में पौधरोपण कर हरियाली विकसित की जाए। आवारा मवेशियों के प्रबंधन के लिए नगर पालिका और प्रशासन ठोस कदम उठाए। जब तक जिम्मेदार अपनी कुंभकर्णी नींद से नहीं जागेंगे, तब तक नवापारा-राजिम की यह 'मॉडल रोड' मासूमों के खून से रंगती रहेगी। अब देखना यह होगा कि मुख्यमंत्री के आगमन के पहले प्रशासन इस दिशा में कोई तत्परता दिखाता है या फिर हमेशा की तरह किसी बड़ी दुर्घटना का इंतजार किया जाता है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव...

आश्रम से राजिम के लिए प्रस्थान करेंगे। मुख्यमंत्री का राजिम आगमन दोपहर 1.30 बजे होगा। इसके पश्चात दोपहर 2.00 बजे भक्त माता राजिम जयंती के अवसर पर राजिम लोचन मंदिर एवं भक्तिन माता मंदिर में पूजा-अर्चना करेंगे। तत्पश्चात पुराने महोत्सव स्थल स्थित मुख्य मंच पर पहुंचेंगे, जहां साहू समाज के प्रतिनिधियों द्वारा उनका स्वागत किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान माननीय मुख्यमंत्री आमजनों को संबोधित करेंगे। कार्यक्रम का समापन अपराह्न 3.30 बजे होगा। इसके उपरांत मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय जी अपराह्न 4.00 बजे रायपुर के लिए प्रस्थान करेंगे।

नपं छुरा की...

करना तथा नगर के विकास कार्यों के लिए आवश्यक राजस्व जुटाना है। मुख्य नगर पालिका अधिकारी यमन देवांगन ने नगर वासियों से अपील किया है कि सभी शिविर में आकर के समय में अपना कर जमा कराए। शिविर इस प्रकार से लग रहे हैं वार्ड क्रमांक 03दीनदयाल उपाध्याय वार्ड07 से 8 जनवरी आवासपारा रंगमंच के पास, वार्ड क्रमांक 04 शीतलापारा वार्ड 9 से 10 जनवरी, गढ़ियापारा रंगमंच, वार्ड क्रमांक 05राजासिंघलशाह वार्ड 12 से 13 जनवरी गादीकोट रंगमंच के पास, वार्ड क्रमांक 06 महात्माबुद्ध वार्ड 15 से 16 जनवरी गादीकोट रंगमंच के पास, भगतसिंह वार्ड 19 से 20 जनवरी कुम्हार पारा रंगमंच, वार्ड क्रमांक 08 संतोषीपारा वार्ड 21 से 22 जनवरी संतोषी पारा रंगमंच, 9 गुरुघासीदास वार्ड 23 से 24 जनवरीगुरु घासीदास चबूतरा, 10 डॉ. अम्बेडकर वार्ड 27 से 28 जनवरी मामूलीपारा रंगमंच प्राथमिक शाला के पास, 11 राजा बिगेन्द्रशाह वार्ड29 से 30 जनवरीराजापारा रंगमंच के पास, 12 झूलेलाल वार्ड 2 से 3 फरवरीराजापारा रंगमंच के पास, 13 स्व. त्रिलोकशाह वार्ड 4 से 5 फरवरीराजापारा रंगमंच के पास, 14 राजा छत्रशाह वार्ड 6 से 7 फरवरी गौरा गौरी चबुतरा के पास, 15 नुरानी वार्ड,9 से 10 फरवरी कोमाखान रोड एसबीआईएटीएम के पास प्रत्येक दिन शिविर का समय प्रातः 10.30 बजे से 5 बजे तक रहेगा।

कड़ाके की सर्दी...

न करें और गर्म पानी का ही उपयोग करें। सोते समय भी जरूरत के अनुसार स्वेटर या गर्म कपड़ों का प्रयोग करें। योगाचार्यों का कहना है कि ठंड के कारण सुबह जल्दी योग करना कठिन हो रहा है, ऐसे में सूरज निकलने के बाद योग करना 'दोहरा फायदा' दे सकता है। इससे शरीर को विटामिन-डी मिलेगा और ठंड भी नहीं लगेगी। विशेषज्ञों ने कहा है कि स्वस्थ शरीर ही सबसे बड़ी पूंजी है, इसलिए इस मौसम में लापरवाही बरतने के बजाय ठंड से बचाव के उपाय करना ज्यादा जरूरी है।

दो महीने में 1...

पर प्रभावी नियंत्रण के लिए विशेष दिशा-निर्देश जारी किया गया था। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा समर्थन मूल्यों पर धान खरीदी केवल पंजीकृत किसानों को निर्धारित धान खरीदी केंद्रों में किये जाने के लिए प्रावधान है। चेक पोस्ट के माध्यम से तैनात पुलिस द्वारा अवैध गतिविधियों पर सतत निगरानी रखी जा रही है। दिनांक 6 जनवरी को मुखबीर से थाना देवभोग को सूचना मिला की एक 407 मेटाडोर वाहनों में उडीसा की ओर से थाना देवभोग क्षेत्र में अवैध धान भर बिक्री करने के लिए परिवहन कर रहा है। सूचना तस्दीक पर पुलिस टीम अलग-अलग घटना स्थल रवाना हो कर घटना स्थल से अवैध धान भरा हुआ 407 मेटाडोर वाहन क्रमांक ओ.डी 08-डी-8898 में 100 कट्टा (40 क्विंटल) अवैध धान परिवहन करते जप्त। इसी क्रम मे थाना अमलीपदर को मुखबीर से सूचना मिला की उडिसा की ओर से एक बिना नम्ब्र प्लेट वाली ट्रेक्टर में अवैध रूप से धान परिवहन कर बिक्री करने के लिए जा रहा है। जिसकी सूचना दतस्दीक हेतु घटना स्थल पर पुलिस टीम रवाना कर बिना नम्बर प्लेट वाली ट्रेक्टर में 80 कट्टा धान प्रत्येक में 45 की भरती कुल (36 क्विंटल) बिक्री के लिए परिवहन करते पाया गया। इसी प्रकार थाना प्रभारी छुरा को मुखबीर से सूचना मिला की दो बोलेरो वाहन में उड़िशा से अवैध धान बिक्री के लिए परिवहन कर रहा है। मुखबीर द्वारा बनाये गये घटना स्थल पर पहुंच कर अवैध धान से भरा हुआ बोलेरो पीकअ वाहन क्रमांक सीजी 07-बीजी-3987 में 58 कट्टा धान एवं बोलेरो वाहन क्रमांक ओडी-26-8272 में 58 कट्टा अवैध धान कुल 116 कट्टा अवैध धान को परिवहन करते पाया गया। इस प्रकार कुल 03 प्रकरणों में कुल 296 कट्टा (122.4 क्विंटल) धान के साथ 04 चार पहिया वाहन को समक्ष गवाहन के जब्त कर संबंधित विभाग को सुपुर्द किया गया। इसी प्रकार विगत एक माह, 28 दिवस से लगातार विशेष अभियान चलाकर थाना देवभोग एवं थाना अमलीदर के द्वारा धान के अवैध परिवहन एवं बिक्री करते अलग–अलग कुल 70 प्रकरणों में 7744 कट्टा (3308.65) क्विंटल अवैध परिवहन एवं बिक्री करते हुए पकड़ा गया। धान के परिवहन एवं बिक्री करने के संबंध में वैध कागजात मांगने पर किसी भी प्रकार का कागजात पेश नही करने पर अवैध धान परिवहन के संबंध में कार्यवाही कर संबंधित विभाग को सुपुर्द किया गया। अवैध धान बिक्री एवं परिवहन के विरूद्ध कार्यवाही आगे भी जारी रहेगा।

संकलनकर्ता : गोरेलाल सिन्हा, ब्यूरोप्रमुख जिला गरियाबंद, मो. 9993223300

प्रस्तुति– श्यामकिशोर शर्मा, ब्यूरोचीफ, हरिभूमि कार्यालय राजिम, जिला गरियाबंद, मो.नं.–79871–24123

खबर संक्षेप

कड़ाके की ठंड और शीतलहर का कहर

छुरा। छत्तीसगढ़ में मौसम विभाग ने कड़ाके की ठंड का अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग की चेतावनी के बाद शालेय शिक्षक संघ के ब्लाक अध्यक्ष सर्वेश कुमार शर्मा ने छत्तीसगढ़ सरकार से मांग किया है कि बहुत से जिलों के स्कूलों में छुट्टी का आदेश दे दिया गया है। 10 जनवरी तक के लिए स्कूलों को बंद कर दिया गया है। सरगुजा जिला प्रशासन की तरफ से इस संबंध में आदेश जारी कर दिया गया है। आपको बता दें कि समूचे छत्तीसगढ़ के वन्य संभाग में पारा 4 से 5 डिग्री तक पहुंच गया है। शीतलहरी और कनकनी को देखते हुए 10 जनवरी तक पहली से पांचवी तक की कक्षाओं को बंद करने की मांग शिक्षा मंत्री एवं मुख्यमंत्री से अति शीघ्र ज्ञापन देकर किया जायेगा।सरगुजा के जिला शिक्षा अधिकारी की तरफ से जारी आदेशके मुताबिक सरगुजा जिले में पड़ रही अत्यधिक ठंड और शीतलहर को देखते हुए 10 जनवरी तक पहली से पांचवीं तक के विद्यार्थियों के लिए स्कूल बंद का आदेश दिया है इसी प्रकार रायपुर दुर्ग बस्तर संभाग में भी ठंड का प्रकोप अधिक हो गया है नौनिहाल बच्चों के स्वास्थ को देखते हुए सरकार को छूटी घोषित करनी चाहिए।

- शालेय शिक्षक संघ ने की 10 जनवरी तक स्कूल बंद करने की मांग

घोड़ारी में अस्पृश्यता निवारणार्थ सद्भावना शिविर 30 को

महासमुंद। अनुसूचित जातियों के हित में शासन द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी आमजन तक पहुंचाने के उद्देश्य से आदिवासी विकास विभाग द्वारा अस्पृश्यता निवारणार्थ एवं प्रचार-प्रसार सद्भावना शिविर का आयोजन किया जा रहा है। सहायक आयुक्त आदिवासी विकास के अधिकारी ने बताया कि यह शिविर 30 जनवरी को महासमुंद विकासखंड अंतर्गत ग्राम घोड़ारी में प्रातः 10 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित होगा।

नाराजगी : अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश

कुटेना गौठान में अतिक्रमण हटाने के नाम पर गेट और शौचालय तोड़े

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पाण्डुका

विकासखंड छुरा के ग्राम पंचायत कुटेना में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई विवादों के घेरे में आ गई है। पूर्व सरकार की महत्वाकांक्षी योजना के तहत लाखों की लागत से बने गौठान में राजस्व अमले की मौजूदगी में न केवल अतिक्रमण हटाया गया, बल्कि वहां बने सरकारी गेट और दो शौचालयों को भी जमींदोज कर दिया गया। इस कार्रवाई के दौरान सालों से सींचे गए पौधों को भी नष्ट कर दिया गया, जिससे ग्रामीणों में भारी नाराजगी है।

पूर्व सरपंच के कार्यकाल में ग्राम पंचायत ने ही एजेंसी के रूप में इन शौचालयों और गेट का निर्माण कराया था। सरकार बदलते ही इन योजनाओं के प्रति उदासीनता और अब इस तरह की तोड़फोड़ ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। बड़ा सवाल यह है कि शासकीय पैसे से निर्मित भवन को तोड़ने की अनुमति किसने दी? इस पूरी घटना में जिम्मेदारी को लेकर 'पल्ला झाड़ने' का खेल शुरू हो गया है। नायब तहसीलदार छुरा ने कहा की हमने केवल अवैध कब्जा (पैरा और घेरा) हटाने की कार्रवाई की थी। मेरी मौजूदगी में गेट या शौचालय नहीं टूटा। अगर किसी ने तोड़ा है, तो उसी से वसूली कर दोबारा बनवाया जाएगा।

सरपंच, गणेशी बाई कंवर ने कहा की मैं अतिक्रमण हटाने के समय वहां मौजूद थी, लेकिन बाद में दूसरे अधिकारियों के आने पर वहां से चली गई। गेट और शौचालय किसने और क्यों तुड़वाया, इसकी जानकारी मुझे नहीं है। ग्राम विकास समिति अध्यक्ष, विजय साहू ने कहा की शौचालय जर्जर हो चुका था। गांव की सर्वसम्मति से शिकायत की गई थी। इसके टूटने से किसी को कोई आपत्ति नहीं है।

नोटिस देते तो स्वयं हटा लेते : किसान

गौठान के सामने पैरा रखने वाले किसान मंगलू राम, द्वारिका यादव और कोमल राम ने बताया कि पंचायत ने उन्हें कोई नोटिस नहीं दिया। उन्होंने कहा की हमें कहा जाता तो हम खुद अपना पैरा हटा लेते। हमने शौचालय तोड़ने से मना भी किया था, लेकिन हमारी बात नहीं सुनी गई। अतिक्रमण हटाना राजस्व विभाग का काम है, लेकिन गौठान के गेट और शौचालयों को तोड़ना सीधे तौर पर सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाना है। ग्रामीणों का आरोप है कि जर्जर होने का बहाना बनाकर नई सरकार में पुरानी योजनाओं के ढांचे को खत्म करने की साजिश की जा रही है। कार्रवाई के दौरान नायब तहसीलदार, हल्का पटवारी, ग्राम सरपंच, कोटवार और ग्रामीण उपस्थित थे।

गौ सेवा से बड़ा कोई सेवा नहीं : पं. रत्नेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नवापारा-भेण्डरी

ग्राम भेण्डरी के श्री हनुमान जी के मंदिर परिसर में भागवत महापुराण कथा प्रसंग के दौरान कथावाचक पंडित रत्नेश पांडेय ने बताया कि गौ सेवा से बढ़कर कोई सेवा नहीं है। हर घर में गौमाता की सेवा होना चाहिए। गौ संवर्धन से बड़ा कोई धर्म नहीं है। पंडित जी ने कहा कि गौमाता के गोबर से घर आंगन पवित्र होता है। गौमाता में तैंतीस कोटि देवी देवता विराजमान रहते है। गौमाता की सेवा से बड़ा पुण्य मिलता है। पंडित जी ने भगवान श्री कृष्ण के बाल लीलाओं का वर्णन किया। मालूम हो कि श्रीमद्भागवत महापुराण कथा का आयोजन गौ संवर्धन के लिए गौमाता संरक्षण के लिए किया जा रहा है। इस आयोजन को ब्राइट फ्यूचर एकेडमी द्वारा किया गया है। कथा में जो भी दान मिलेगा उसे गौ सेवा में लगाया जाएगा।

राजिम भक्तिन माता जयंती पर निकलेगी भव्य शोभायात्रा, विधायक करेंगे नेतृत्व

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राजिम

साहू समाज की आराध्य देवी राजिम भक्तिन माता की जयंती के पावन अवसर पर आज 7 जनवरी को राजिम नगर में भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया जाएगा। यह ऐतिहासिक शोभायात्रा छत्तीसगढ़ राज्य के एकमात्र राजिम भक्तिन माता चौक से प्रारंभ होकर नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए कार्यक्रम स्थल तक पहुंचेगी। इस भव्य शोभायात्रा का नेतृत्व राजिम विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक रोहित साहू करेंगे। शोभायात्रा साहू समाज, राजिम भक्तिन माता समिति के अध्यक्ष लाला साहू के मार्गदर्शन में आयोजित की जाएगी। शोभायात्रा साहू छात्रावास परिसर से प्रारंभ होकर राजिम भक्तिन माता चौक पहुंचेगी, तत्पश्चात मुख्य मार्ग से होते हुए पंडित सुंदरलाल शर्मा चौक, पंडित श्यामाचरण शुक्ल चौक, वीआईपी रोड के रास्ते कार्यक्रम स्थल तक पहुंचेगी। इस अवसर पर समाज के सभी प्रमुख पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, प्रदेश अध्यक्ष, विधायक, मंत्रीगण, जिला अध्यक्ष, प्रदेश पदाधिकारी, युवा प्रकोष्ठ, महिला प्रकोष्ठ के सदस्य, तहसील, नगर एवं ग्राम स्तर के पदाधिकारी बड़ी संख्या में शामिल होंगे। शोभायात्रा में विशेष रूप से छत्तीसगढ़ प्रदेश साहू संघ के अध्यक्ष डॉ. निरेंद्र साहू, जिला साहू संघ गरियाबंद के अध्यक्ष प्रवीण साहू, पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष भुनेश्वर साहू,समिति के संरक्षक डॉ. रामकुमार साहू, बोधन साहू, कार्यकारी अध्यक्ष ईश्वरी साहू सहित अनेक वरिष्ठ समाजसेवी एवं गणमान्यजन उपस्थित रहेंगे। राजिम भक्तिन माता समिति के अध्यक्ष लाला साहू ने समाज के समस्त बंधुओं से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस ऐतिहासिक शोभायात्रा को सफल बनाएं एवं माता राजिम के प्रति अपनी श्रद्धा प्रकट करें। यह शोभायात्रा श्रद्धा, आस्था, एकता और सामाजिक गौरव का अदभुत संगम होगी।

संकलनकर्ता : वेदप्रकाश यादव, संवाददाता पांडुका, मो. 75870-71009